बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बृहस्पतिवार, तिथि ९ अप्रील, १९६४ ।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बृहस्पतिवार, तिथि ९ अप्रील १९६४ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर ।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

अल्प-सूचित प्रश्न संख्या ८९ के सम्बन्ध में ।

* श्री वीर चन्द पटेल— सभी माननीय सदस्य की इच्छा होती है कि वे अल्प-सूचित प्रश्न दे दें और उनकी यह अन्डरस्टेंडिंग रहती है कि समय पर इसमें कार्रवाई हो जायगी, पर समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण मैं क्षमा चाहता हूं ।

अध्यक्ष— माननीय सदस्य और माननीय मंत्री में जो प्राइवेट बात होती है वह तो सदन के लिए लागू नहीं है ।

*श्री रामानन्द तिवारी— अध्यक्ष महोदय अब तारांकित प्रश्न लेने का समय समाप्त हो गया है इसलिये अल्प-सूचित प्रश्न ही के द्वारा प्रश्न पूछा जा रहा है ।

अध्यक्ष— जो पहले वाला प्रश्न है वह तो रहेगा ही ।

सूद की माफी ।

९०। श्री इन्द्र नारायण सिंह—क्या राजस्व मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सरकार ने यह निर्णय किया है कि राज्य के जो किसान समय पर सरकारी ऋण चुका देंगे उनका सूद माफ कर दिया जायगा ;

(२) यदि उक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार ने ऋण चुकाने की कौन-सी अन्तिम तिथि निर्धारित की है ?

श्री वीर चन्द पटेल— (१) उत्तर नकारात्मक है पर सरकार ने यह निर्णय किया है कि बकाय मूलधन के बराबर रुपया चुका देने पर बकाये सूद के लिए कोई

(२) यदि खंड (१) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो उक्त गोल-माल का अभियोग किन लोगों पर है और अभी तक उन लोगों के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई की गयी है तथा रुपये के लिये कौन-सी कार्रवाई हो रही है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) सारन जिला के गोरिया कोठी प्रखंड के मुख्यालय में व्यापार मंडल सहयोग समिति नहीं है ।

यह प्रखंड के मुख्यालय के बृहदाकार बहुधन्धी सहयोग समिति में लगभग १० हजार रुपये की गड़बड़ी होने की सूचना है ।

(२) बृहदाकार सहयोग समिति के रुपयों की गड़बड़ी की सूचना पुलिस को दे दी गई है एवं इस समिति के मैनेजर जमानत पर हैं । अवर प्रमंडलाधिकारी, सिवान को अदालत से, उन्हें जमानत पर छूटने का आदेश मिला है ।

जिन व्यक्तियों पर अभियोग साबित होगा, उनसे रुपये वसूलने की उचित कार्रवाई की जायेगी ।

श्री सभापति सिंह—मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि मैनेजर के अलावे समिति के और जो सदस्य हैं, उनपर भी गोलमाल का चार्ज है, या नहीं ?

श्री हरिनाथ मिश्र—अभी मैनेजर पर ही आरोप है और अभी पुलिस इन्वेस्टीगेशन चल रहा है और उसके फलस्वरूप और लोगों पर भी चार्जशीट दिया गया तो उनपर भी कार्रवाई की जायेगी ।

*श्री कर्पूरी ठाकुर—बृहदाकार नाम की जगह कोई दूसरा नाम होता तो अच्छा था ।

अध्यक्ष—चूंकि लार्ज साइज्ड सोसाईटी लिखा है, उसीका अनुवाद मालूम होता है ।

सूद की दर ।

२०१९ । श्री महेशकान्त शर्मा—क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) बिहार राज्य सहकारिता भूमि बन्धक बैंकों की कुल संख्या संप्रति कितनी है और उन सबों में कुल मिलाकर कितनी पूंजी है ;

(२) दरभंगा जिले में सहकारिता भूमि बन्धक बैंक की संख्या क्या है और उनकी पूंजी क्या है ;

(३) उक्त प्रकार के बैंक से किस-किस कार्य के लिये ऋण दिये जाते हैं और सूद की दर क्या रहती है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) इस राज्य में अभी केवल एक राज्य भूमि बन्धक बैंक है तथा उसकी शाखाएं जिला एवं अनुमंडल स्तर पर है। इस प्रकार की कुल १८ शाखाएं इस राज्य में हैं। इस बैंक की कुल प्राप्त हिस्सा पूंजी जनवरी, १९६४ तक १६,४०,८४१ रु० है।

(२) दरभंगा जिला में कोई स्वतंत्र भू-बन्धक बैंक नहीं है। हां इस जिले में बिहार राज्य भूमि बन्धक बैंक की एक शाखा है। इस शाखा द्वारा प्राप्त हिस्सा पूंजी जनवरी, १९६४ तक १३,०१८ रु० है।

(३) बिहार राज्य भू-बन्धक बैंक से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऋण दिया जाता है :—

(१) जमीन को सूद भरना या रेहन से मुक्त करने के लिए।

(२) जमीन के विकास के लिए एवं खती के तरीके में उन्नति के लिये।

(३) पुराने ऋणों की अदायगी के लिये।

(४) किसान के दो खेतों के बीच पड़नेवाले भू-खंड को खरीदने के लिए जिसमें सब मिलाकर एक चक बन जाय।

सूद का दर ७ रुपये सैकड़े सलाना है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—इस बैंक का जो उद्देश्य, जो लक्ष्य निर्धारित कर रखी है, उसके अनुपात में जो पूंजी आप बैंक में लगाकर लोगों के सहायतार्थ देना चाहते हैं तो क्या सरकार इस बात की आवश्यकता पर विचार करेगी कि जितनी पूंजी अभी लगी हुई है उससे ज्यादा पूंजी लगावें ताकि अधिक-से-अधिक लोगों को फायदा पहुंचे?

श्री हरिनाथ मिश्र—दरअसल यह सरकार की जिम्मेवारी ही नहीं है। जहां तक मैं समझता हूं कि इस काम के लिए लोग ज्यादा-से-ज्यादा शेयर कैपिटल बढ़ावें, वर्किंग कैपिटल बढ़ावें फिर भी सरकार सचेष्ट है कि और ज्यादा पूंजी इसमें लगाई जा सके और लोग लाभ उठा सकें।

श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या सरकार को मालूम है कि लोग अपनी पूंजी लगाते हैं और लगाने के लिए तैयार भी रहते हैं लेकिन उनके काम में अधिक विलम्ब होता है जिससे उनके उत्साह टूट जाते हैं?

श्री हरिनाथ मिश्र—ऐसी शिकायत सर्व प्रथम आयी है कि लोगों को पूंजी लगाने में विलम्ब होता है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या सरकार इसकी जांच करने को तैयार है कि दूसरे जिले की बात छोड़ दें, दरभंगा जिले में कितने लोग हैं जिनलोगों ने पूंजी लगाई और कितने लोग हैं जो पूंजी लगाना चाहते हैं लेकिन इसमें विलम्ब होता है।

श्री हरिनाथ मिश्र—मैं इसकी इन्क्वायरी करा दूंगा लेकिन अगर किसी खास व्यक्ति के सम्बंध में माननीय सदस्य को जानकारी है तो बतलावें उसकी जांच हो जायेगी।

मानदेय का वितरण।

२०२०। श्री शफी फुल्लाह अंसारी—क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य हैन्डलूम सहकारी यूनियन, पटना ने १९६३-६४ के लिये घाटे का बजट पेश किया है और उस बजट में सभापति, मंत्री और सहायक मंत्री के लिये बारह हजार रुपये का सालाना ऑनरेरियम का समावेश किया गया है;

(२) क्या यह बात सही है कि निबन्धक ने घाटे को सामने रखते हुए आदेश दिया है कि ऑनरेरियम के मद पर ६,००० रुपया से अधिक खर्चा नहीं किया जायेगा;

(३) क्या यह बात सही है कि यूनियन के उक्त पदाधिकारी इस आदेश के खिलाफ बारह हजार रुपया के हिसाब से अभी तक ऑनरेरियम ले रहे हैं;

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार इस के लिये क्या कदम उठाना चाहती है, जिससे हिस्सेदारों का रुपया सुरक्षित रहे?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) यूनियन के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स ने निबन्धक के आदेश पर विचार किया जो खर्च इस मद में हुआ था, उसको पास कर दिया और निबन्धक के पास उनके आदेश पर पुनः विचार करने के लिये लिखा है। यह विचाराधीन है। यदि अन्ततः यह पाया गया कि यूनियन ने कोई अनुचित खर्च कर दिया है तो जो अधिकारी इसके लिये जिम्मेवार पाये जायेंगे उनपर उचित कानूनी कार्रवाई की जायगी।

*श्री शफी फुल्लाह अंसारी—१२ हजार रुपया सालाना ओनोरेरियम के रूप में दिया जाता है तो उनकी ड्यूटी चार्ट क्या है।

श्री हरिनाथ मिश्र—यह प्रश्न का अंग नहीं है।